



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खंड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 131]
No. 131]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 27, 1979/चैत्र 6, 1901
NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 27, 1979/CHAITRA 6, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

उद्योग मंत्रालय

संक्षेप

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1979

का. आ. 156 (अ).—मेसर्स ऑरिएंट पेपर एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड, अमलाई (मध्य प्रदेश) नामक औद्योगिक उपक्रम, अनुसूचित उद्योग, अर्थात् कागज के विनिर्माण या उत्पादन में लगा है;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम में विनिर्मित या उत्पादित वस्तुओं की बाबत उत्पादन की मात्रा में पर्याप्त गिरावट आई है तथा और गिरावट आने की सम्भावना है, जिसके लिए, विद्यमान आर्थिक दशाओं को ध्यान में रखते हुए, कोई औचित्य नहीं है;

और केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ऐसी रीति से किया जा रहा है, जो पूर्वोक्त अनुसूचित उद्योग और लोकाहित के लिए अति अहितकर है;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मामले की परिस्थितियों का पूरी तरह अन्वेषण करने के प्रयोजनार्थ, व्यक्तियों का एक निकाय नियुक्त करती है, जिसमें निम्नीलिखित होंगे—

अध्यक्ष

(1) डा. आर. राजगोपालन, मुख्य सलाहकार, लागत, विस्त मंत्रालय (व्यय विभाग);

- (2) श्री जे. एस. मधु, विकास अधिकारी (चयन श्रेणी) तकनीकी विकास महा निदेशालय;
- (3) श्री आर. एन. सोनी, उप सचिव, औद्योगिक विकास विभाग, उद्योग मंत्रालय;
- (4) श्री पी. सी. सिन्हा, उपनिवेशक (निरीक्षण), क्षेत्रीय निदेशक का कार्यालय, कम्पनी कार्य, कानपुर।

व्यक्तियों का उक्त निकाय, अपनी रिपोर्ट राजपत्र में इस आदेश के जारी होने की तारीख से चार सप्ताह की अवधि के भीतर दे देगा।

[सं. 2/3/79-सी. यू. सी]

पी. सी. नायक, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 27th March, 1979

S.O. 156(E).—Whereas the industrial undertaking of Messrs Orient Paper and Industries Limited located at Amlai (Madhya Pradesh) is engaged in a scheduled industry namely, the manufacture or production of paper;

And whereas the Central Government is of the opinion that there has been a substantial fall, and there is likely to be a further fall, in the volume of production in respect of the articles manufactured or produced in the said industrial undertaking, for which, having regard to the economic conditions prevailing, there is no justification;

And whereas the Central Government is of the opinion that the said industrial undertaking is being managed in a manner highly detrimental to the aforesaid scheduled industry and to public interest ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 15 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951) the Central Government hereby appoints for the purpose of making a full and complete investigation into the circumstances of the case, a body of persons consisting of—

CHAIRMAN

- (1) Dr. R. Rajagopalan, Chief Adviser, Costs, Ministry of Finance (Department of Expenditure) ;

MEMBERS

- (2) Shri J. S. Matharu, Development Officer (Selection Grade) Directorate General of Technical Development ;
(3) Shri R. N. Soni, Deputy Secretary, Department of Industrial Development, Ministry of Industry ;
(4) Shri P. C. Sinha, Deputy Director (Inspection), Office of Regional Director Company Affairs, Kanpur.

This said body of persons shall submit its report within a period of four weeks from the date of issue of this Order in the Official Gazette.

[No. 2/3/79-CUC]
P. C. NAYAK, Joint Secy.